# प्रेस विज्ञप्ति

**13 फरवरी, 2016**

**आज प्रेसवार्ता में श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–**

आज भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिन है, जब राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता, श्री आनंद शर्मा पर एबीवीपी के सरकारपोषित गुंडों ने जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली में सार्वजनिक तौर से तेज धार हथियारों द्वारा हमला किया। इस कायरतापूर्ण हमले की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है।

यह केंद्र की मोदी सरकार व भाजपा की उस मनोस्थिति को दर्शाता है, जो देश के छात्रों की आवाज दबाना चाहते हैं, जेएनयू पर ताला लगाना चाहते हैं और मौलिक अधिकारों का पुलिस व गुंडों द्वारा दमन करना चाहते हैं।

यह घिनौनी घटना तब हुई, जब आज जेएनयू के सभी छात्र संगठनों, अध्यापक संगठनों व मौजूदा तथा पूर्व छात्र नेताओं द्वारा ''जेएनयू बचाओ'' सभा का आयोजन किया गया था। इस सभा में कांग्रेस उपाध्यक्ष, श्री राहुल गांधी सहित विपक्ष के अनेकों नेताओं ने भाग लिया।

हमने 10 फरवरी को भी कहा था और हम फिर दोहराते हैं कि विचारों की आजादी, चर्चा व वाद विवाद हमारे प्रजातंत्र का मूल अंग है, परंतु इस आजादी का इस्तेमाल राष्ट्रविरोधी प्रपोगंडा के लिए कदापि नहीं किया जा सकता। 09 फरवरी को जिन मुट्ठीभर व्यक्तियों ने राष्ट्रविरोधी नारे लगाए थे, उन पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश, इस कार्यवाही की आड़ में, मोदी सरकार संपूर्ण जेएनयू विश्वविद्यालय को राष्ट्रविरोधी साबित करने पर आमादा है। जेएनयू विश्वविद्यालय अभिव्यक्ति की आजादी का सदैव केंद्रबिंदु रहा है, तथा देश व दुनिया के सबसे बड़े विद्वान जेएनयू के पूर्व छात्र तथा स्नातक हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व भाजपा नेता जेएनयू विश्वविद्यालय को सेक्युलरिज़्म का जमावड़ा बता सदैव इसकी आलोचना करते आए हैं। इस घटना की आड़ में संपूर्ण जेएनयू विश्वविद्यालय को दिल्ली पुलिस की छावनी में तब्दील कर दिया गया। सभी कमरों की पुलिस द्वारा तलाशी ली गई और हद तो तब हो गई, जब महिला होस्टल की तलाशी पुरुष पुलिसकर्मियों के द्वारा ली गई। भाजपा का निशाना स्पष्ट है कि उनमुक्त विचारधारा वाले देश की इस बेहतरीन संस्था में भय और डर का माहौल पैदा कर दिया जाए।

प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी व भाजपा अध्यक्ष, श्री अमित शाह को देश के युवाओं को स्पष्टीकरण देने की जरूरत है। क्या प्रधानमंत्री, एबीवीपी के गुंडों पर कार्यवाही करने का साहस दिखाएंगे? क्या प्रधानमंत्री, श्री मोदी दिल्ली पुलिस के खिलाफ कार्यवाही करेंगे, जो न केवल विपक्ष के नेताओं को उचित सुरक्षा मुहैया करवाने में पूर्णतया नाकामयाब रही, परंतु जिसने एबीवीपी के गुंडों को हथियार सहित सभा स्थल तक आने दिया? क्या श्री नरेंद्र मोदी देश के छात्रों को यह बताएंगे, कि वो छात्रों की आवाज का दमन क्यो कर रहे हैं, फिर चाहे वो FTII हो, IIT, Madras हो, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय हो या जेएनयू विश्वविद्यालय? संपूर्ण देश के छात्र और युवा श्री नरेंद्र मोदी से उम्मीद करते हैं कि वो निर्णायक कार्यवाही कर प्रधानमंत्री पद की जिम्मेवारी का निर्वहन करेंगे।